



भारत के खलौना उद्योग का भवष्य

प्रलिमिस के लयि:

[भारत का खलौना उद्योग](#), वैश्वकि वयापार अनुसंधान पहल रपिर्ट, अंतर्राष्टरीय मानक संगठन (ISO), भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)

मेन्स के लयि:

[भारत के खलौना उद्योग के लयि रणनीति](#)

[स्रोत: ग्लोबल ट्रेड रसिर्च इनशिर्टिवि](#)

चर्चा में क्यौं?

हाल ही में 'ग्लोबल ट्रेड रसिर्च इनशिर्टिवि' रपिर्ट में भारत के खलौना उद्योग को वकिसति करने और नरियात बढ़ाने के लयि एक वयापक रणनीतिका प्रस्ताव दया गया है।

- इसका उद्देश्य गुणवत्ता में सुधार, नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ बाज़ार पहुँच का वसितार करने पर केंद्रति रणनीतकि हस्तक्षेपों को लागू करके भारत को खलौना नरिमाण और नरियात के लयि एक वैश्वकि केंद्र के रूप में स्थापति करना है।

भारत के खलौना उद्योग की स्थति और क्षमता:

- स्थति:**
 - ग्लोबल ट्रेड रसिर्च इनशिर्टिवि रपिर्ट के अनुसार, भारत वैश्वकि खलौना वयापार में सीमांत स्थति रिखता है, नरियात में केवल 0.3% हसिसेदारी और आयात में 0.1% हसिसेदारी है।
 - वैश्वकि खलौना नरियात में भारत केवल 0.3% की हसिसेदारी के साथ 27वें स्थान पर है और खलौना आयात में 61वें स्थान पर है, जसिका कुल आयात 60 मलियन अमेरकि डौलर है।
- भारत अन्य श्रेणयिों की तुलना में इलेक्ट्रॉनकि खलौनों की एक बड़ी मात्रा का नरियात करता है, साथ ही प्लास्टकि गुडिया, धातु और अन्य गैर-इलेक्ट्रॉनकि खलौनों के नरियात के माध्यम से खलौना वयापार में महत्त्वपूरण योगदान देता है, जो इसकी वविधि वनिरिमाण क्षमताओं को उजागर करता है।
- संभावना:**
 - भारतीय खलौना उद्योग वैश्वकि स्तर पर सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है, जसिके वर्ष 2028 तक 3 बलियन अमेरकि डौलर तक पहुँचने का अनुमान है, जो 2022-28 के बीच 12% की CAGR से बढ़ रहा है।
 - मध्य पूरव और अफ्रीकी देशों में उच्च मूल्य के नरियात में वृद्धि के साथ, भारतीय खलौना उद्योग अपनी वैश्वकि उपस्थति का वसितार कर रहा है।

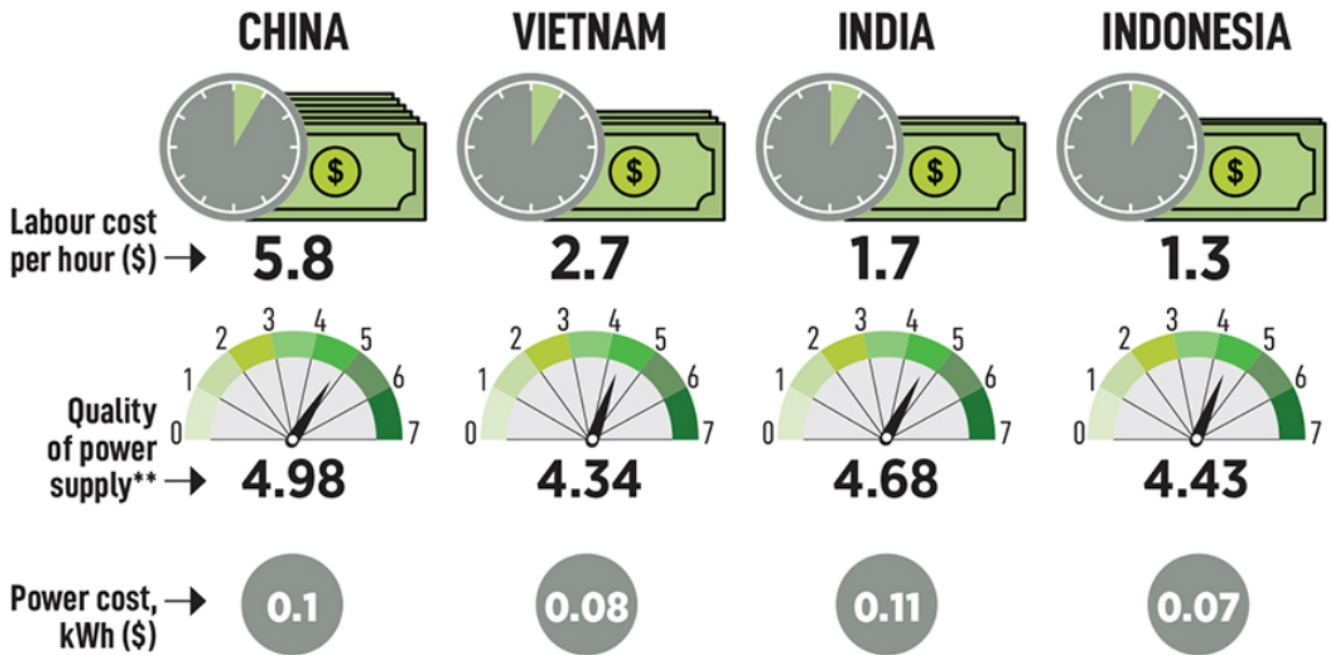
वैश्वकि खलौना उद्योग:

- ग्लोबल ट्रेड रसिर्च इनशिर्टिवि रपिर्ट के अनुसार 2022 में, वैश्वकि खलौना बाज़ार में लगभग 60.3 बलियन अमेरकि डौलर का आयात कया गया, जसिमें चीन 48.3 बलियन अमेरकि डौलर के नरियात के साथ सबसे आगे रहा, जो वैश्वकि नरियात का 80% प्रतनिधित्व करता है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका खलौनों के सबसे बड़े आयातक के रूप में अग्रणी है, जबकि अन्य प्रमुख आयातकों में यूरोपीय संघ, जापान, कनाडा, ऑस्ट्रेलया, मैक्सिको और दक्षणि कोरया शामिल हैं जो एक वविधि बाज़ार का प्रतीक हैं।

भारत के खलौना उद्योग के सामने क्या चुनौतयिाँ हैं?

- **प्रौद्योगिकी की कमी:** यह कमी भारतीय खलौना उद्योग में बाधा उत्पन्न करती है, जिससे अधिकांश घरेलू नरिमाता पुरानी तकनीक और मशीनरी का उपयोग करते हैं, जिससे खलौनों की गुणवत्ता एवं डिज़ाइन प्रभावित होते हैं।
- **उच्च GST दरें:** मैकेनिकल खलौनों पर 12% GST लगता है जबकि इलेक्ट्रॉनिक खलौनों पर कर 18% है। मात्र एक बलब या ध्वनि तंत्र जोड़ने से खलौने का वर्गीकरण परिवर्तित हो जाता है।
- **बुनियादी ढाँचे की कमी:** भारत में खलौना उद्योग को नमिन बुनियादी ढाँचे, एंड-टू-एंड वनिरिमाण सुविधाओं की कमी, अपर्याप्त परीक्षण प्रयोगशालाओं, खलौना पार्कों की कमी, क्लस्टर और लॉजिस्टिक्स समर्थन के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- **असंगठित और खंडित:** भारतीय खलौना उद्योग वर्तमान में भी खंडित है, 90% बाज़ार असंगठित है और अधिकतम लाभ प्राप्त करना बहुत मुश्किल हो जाता है।
- **अन्य चुनौतियाँ:** लागत-प्रभावशीलता, उत्पाद विविधता, गुणवत्ता मानक और व्यापार समझौते जैसे कारक वैश्विक खलौना व्यापार परदृश्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
 - उपभोक्ता प्राथमिकताओं में बदलाव, तकनीकी प्रगत और नयामक परिवर्तन भी बाज़ार की गतिशीलता को प्रभावित करते हैं।

India's Cost Competitiveness Vis-à-Vis Other Nations



**Score on 1-7 scale with 7 being the best

SOURCE Industry consultations, World Bank, global petrol prices.com (power cost for businesses), Statista, KPMG in India Analysis

स्थानीय खलौना उद्योग को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार के उपाय:

- **आयात शुल्क में वृद्धि:** भारत ने खलौनों पर **आयात शुल्क** में उल्लेखनीय वृद्धिकी, जुलाई 2021 में मूल सीमा शुल्क को 20% से बढ़ाकर 70% कर दिया।
 - इससे आयातित खलौने बहुत महँगे हो गए, जिससे स्थानीय रूप से उत्पादित खलौनों को **प्रतस्पर्धात्मक लाभ** मिला।
- **गुणवत्ता नयितरण आदेश (QCO):** जनवरी 2021 से **QCO** ने भारत में बेचे जाने वाले सभी खलौनों को वशिष्ट भारतीय सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिये बाध्य किया है, इन मानकों में तैज़ कनारों, छोटे भागों के खतरों, ज्वलनशीलता और हानिकारक रासायनिक प्रवासन जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है।
 - खलौनों पर **BIS प्रमाणीकरण चहिन** भी होना चाहिये और इन्हें **NABL- मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं** में यादृच्छिक जाँच एवं परीक्षण से भी गुज़रना होगा।
 - QCO द्वारा चीन से होने वाले नमिन गुणवत्ता वाले खलौने के आयात को तो रोका गया, लेकिन इससे भारतीय खलौनों के नरियात को बढ़ावा नहीं मिला।
- **खलौनों के लिये राष्ट्रीय कार्य योजना:** भारत सरकार की एक पहल, इसमें **15 मंत्रालयों के बीच सहयोग** शामिल है और इसमें खलौना उत्पादन क्लस्टर बनाना, वनिरिमाण एवं नरियात को प्रोत्साहित करने के लिये योजनाएँ शुरू करना, अनुसंधान व विकास को बढ़ावा देना, गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करना, खलौनों को शक्ति के साथ एकीकृत करना तथा खलौना मेलों और प्रदर्शनियों का आयोजन करना जैसे उपाय शामिल हैं।

नोट:

- **खलौने की गुणवत्ता** मानकों को पूरा करने से नरिधारति होती है, जो स्वैच्छिक या अनविर्य हो सकती है।
- भारत में गुणवत्ता नरिंतरण आदेश, 2020 एक अनविर्य तकनीकी वनियमन है।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर **अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO)** द्वारा मानक नरिधारति कयि जाते हैं, जबकि भारत में **भारतीय मानक ब्यूरो (Bureau of Indian Standards- BIS)** खलौनों के लयि वशिष्ट मानक नरिधारति करता है, जसिमें यांतरकि सुरक्षा तथा ज्वलनशीलता जैसे पहलुओं को शामिल कयि जाता है।

आगे की राह:

- **सरकारी पहल: MSME मंत्रालय** द्वारा शुरू की गई **पारंपरिक उद्योगों के उन्नयन एवं पुनरनरिमाण के लयि कोष की योजना (SFURTI)** जैसी योजनाओं के माध्यम से खलौना उद्योग का समरथन करने के साथ-साथ नरियात को बढ़ावा देना चाहयि, जसिसे वैश्विक खलौना बाजार में भारत की उपस्थति को बढ़ावा मलि सके।
- **वैश्विक खलौना ब्रांडों को भारत में वनरिमाण हेतु प्रोत्साहति करना:** अंतरराष्ट्रीय खलौना नरिमाताओं को (जो वर्तमान में चीन में कारर्यरत हैं) जैसे हैस्ब्रो, मेटल, लेगो, स्पनि मास्टर और MGA एंटरटेनमेंट को भारत में उत्पादन केंद्र स्थापति करने हेतु आमंत्रति कयि जाना चाहयि।
 - प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और कौशल वकिस के लयि **अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग** से वैश्विक खलौना व्यापार में भारत की प्रतस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मलि सकता है।
- **चीन से प्रेरति होना:** भारतीय खलौना उद्योग का अनुमानति मूल्य 3 बलियन अमेरिकी डॉलर है, जबकि चीन में यह 100 बलियन अमेरिकी डॉलर है।
 - शुरुआत में नमिन-मानक और असुरकषति खलौनों की आपूरति करने के बावजूद संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान आदि जैसे देशों के प्रमुख बाजारों के लयि प्रमुख नरियातक बनने की **चीन की सफलता का भारत को अध्ययन करना** चाहयि।
- **उत्पादन हेतु इनपुट को स्थानीय स्तर पर प्रदान करना:** आत्मनरिभरता बढ़ाने तथा लागत कम करने के लयिमोती, **नकली पत्थर, प्लास्टिक, इलेक्ट्रिक मोटर और रमिोट कंट्रोल डवाइस** जैसी आवश्यक खलौना बनाने वाली सामग्रियों के स्थानीय वनरिमाण को बढ़ावा देना चाहयि जसिसे आयात पर नरिभरता में भी कमी आएगी।

दृष्टिमेन्स प्रश्न:

प्रश्न. भारतीय खलौना उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें और उनसे नपिटने के लयि संभावति रणनीतियों का मूल्यांकन करें। घरेलू खलौना कषेत्र की वृद्धि और प्रतस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लयि भारत सरकार एवं उद्योग हतिधारक कैसे सहयोग कर सकते हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. वनरिमाण कषेत्र के वकिस को बढ़ावा देने के लयि भारत सरकार की हाल की नीतगित पहल क्या है/हैं? (2012)

1. राष्ट्रीय नविश और वनरिमाण कषेत्र की स्थापना
2. 'सगिल वडिो क्लीयरेंस' का लाभ प्रदान करना
3. प्रौद्योगिकी अधगिरहण और वकिस कोष की स्थापना

नीचे दयि गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

?????????:

प्रश्न. 'भारत में बनाइये' कार्यक्रम की सफलता, 'कौशल भारत' कार्यक्रम और आमूल श्रम सुधारों की सफलता पर नरिभर करती है।" तर्कसम्मत दलीलों के साथ चर्चा कीजिये। (2015)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/shaping-the-future-of-india-s-toy-industry>

